Bareilly, Friday, 20 March 2026
BAREILLY EDITION
Price ₹3.00/-
Pages 14

दैनिक जागरण

inext

PAGE NO : 05 TOP

मेडिकल एथिक्स व गुड प्रैक्टिस का रखें ध्यान

सफल चिकित्सक के लिए गुड क्लीनिकल प्रैक्टिस पहला स्टेपः डॉ. दिनेश बदयाल

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (19 March): एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में गुरुवार को मेडिकल एथिक्स और गुड क्लीनिकल प्रैक्टिस पर सीएमई हुई. इसमें मरीजों के उपचार में मेडिकल एथिक्स का ध्यान रखने के साथ ही गुड प्रैक्टिस का जिम्मेदारी के साथ पालन करने पर जोर दिया गया. विशेषज्ञों ने इसके लिए नियमों और जिम्मेदारियों की भी जानकारी दी. आनलाइन और आफलाइन मोड पर आयोजित इस हाइब्रिड सीएमई में बरेली परिक्षेत्र के मेडिकल कॉलेजों के चिकित्सक, पीजी स्टूडेंट शामिल हुए. एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज के मेडिकल एजुकेशन विभाग की ओर से आयोजित सीएमई में मुख्य अतिथि के रूप में एनआईएमसी के नेशनल कन्वीनर एवं सीएमसी लुधियाना के प्रोफेसर (डा.) दिनेश बदयाल शामिल हुए. गुड क्लीनिकल प्रैक्टिस एवं आईसीएच जीसीपी पर व्याख्यान देने के साथ ही उन्होंने क्लीनिकल ट्रायल में इंवेस्टीगेटर, स्पांसर और स्टडी टीम की भूमिका एवं जिम्मेदारियों की भी विस्तृत जानकारी दी. उन्होंने मरीजों के उपचार के लिए गुड क्लीनिकल प्रैक्टिस पर जोर दिया और इसे सफल चिकित्सक बनने की दिशा में पहला स्टेप बताया. एसीएमई और एमएचपीई के को- कंवीनर. मेडिकल एजकेशन टीम के सक्रिय सदस्य एवं केजीएमयू के प्रोफेसर (डा.) आरके दीक्षित ने बायोएथिक्स के नियम, बायो मेडिकल एवं हेल्थ रिसर्च में मानव भागीदारी के संबंध में नेशनल इथिकल गाइडलाइंस, बायो मेडिकल एवं हेल्थ रिसर्च में बच्चों की भागीदारी के संबंध में नेशनल इथिकल गाइडलाइंस की विस्तृत चर्चा की. डा.शालिनी चंद्रा ने नई दवाइयां और उनके क्लीनिकल ट्रायल, भारत में क्लीनिकल ट्रायल और रिसर्च के लिए वर्तमान में नियामक जरूरतें पर विस्तत जानकारी दी.

गेस्ट को मोमेंटो देकर किया गया सम्मानित.